

# UP Board Notes for Class 12 English Poetry Short Stories Chapter 4 A Special Experience

---

## STORY at a Glance

Hoteles In this story Prem Chand describes the experiences of two families whose One day the husband of the narrator of the story served 'sherbat' and 'pun' to the freedom fighters. So he was sentenced for one year's rigorous imprisonment. The narrator was not perturbed. She felt proud of her husband and wanted to touch his feet. She celebrated her husband's going to jail by distributing sweets among the freedom fighters.

She was quite alone in her house. So she informed her father and father-in-law and requested them to help. But both refused. Her father-in-law was afraid lest his pension be stopped and her father was afraid lest his promotion and increment be stopped. Two policemen in white clothes watched her house every time. She was very much afraid yet she determined to preserve her femininity at all costs. Babu Gyan Chand, a school teacher, was the best friend of her husband. When he came to know about it, he came to her with his wife. They requested her to live with them. She agreed. There also she saw two policemen watching the house of Babu Gyan Chand. The narrator did not like that her hosts should be in trouble. But Gyan Chand's wife was not troubled at all.

One evening when Gyan Babu returned from his college, he was very much perturbed. His principal had asked him to turn the lady out of his house. She was the wife of a freedom fighter. It was the order of the Commissioner. But Gyan babu did not yield before them. He resigned from his post. His resignation opened the eyes of the principal. He and the Commissioner both asked him many questions and were satisfied that Gyan Babu had no connection with the movement of freedom.

## कहानी पर एक दृष्टि

इस कहानी में प्रेमचन्द ने उन दो परिवारों के अनुभवों का वर्णन किया है जिनका अपने देश की स्वतन्त्रता के लिए योगदान प्रशंसनीय था। एक दिन कहानी का वर्णन करने वाली स्त्री के पति ने स्वतन्त्रता सेनानियों को शरबत' और 'पान' भेट किया। इसलिए उसे एक वर्ष के कठोर कारावास का दण्ड दिया गया। वह तनिक भी विचलित नहीं हुई। उसने अपने पति पर बड़े गर्व का अनुभव किया और उसके पैर छूना चाहती थी। उसने अपने पति के जेल जाने के अवसर पर स्वतन्त्रता सेनानियों में मिठाइयाँ बाँटीं।।

वह अपने मकान में बिल्कुल अकेली थी। इसलिए उसने अपने पिता एवं ससुर को सूचित किया और उनसे सहायता की प्रार्थना की। किन्तु दोनों ने मना कर दिया। उसके ससुर को यह भय था कि कहीं उसकी पेंशन न रुक जाए और उसके पिता को यह भय था कि कहीं उसकी प्रोन्नति एवं वेतन-वृद्धि न रुक जाए। सादे कपड़े पहने हुए

दो पुलिस के सिपाही उसके घर पर हर समय पहरा देते थे। उसे बहुत भय था फिर भी उसने प्रत्येक दशा में स्त्रीत्व की रक्षा करने का निश्चय किया।

बाबू ज्ञान चन्द, जो एक स्कूल अध्यापक थे, उसके पति के घनिष्ठ मित्र थे। जब उन्हें इस बात का पता चला तब वे अपनी पत्नी के साथ उसके घर पर आए। उन्होंने उसे अपने साथ रहने की सलाह दी। वह सहमत हो गई। वहाँ भी उसने बाबू ज्ञान चन्द के मकान पर दो सिपाहियों को पहरा देते हुए देखा। उस स्त्री को यह अच्छा न लगा कि उसके मेजबान परेशानी में पड़े। किन्तु ज्ञान चन्द की पत्नी इस बात से बिल्कुल भी परेशान नहीं थी। एक दिन शाम को ज्ञान बाबू अपने कॉलेज से बहुत परेशानी में लौटे। उनके प्रधानाचार्य ने उन्हें कहा कि वे उस स्त्री को अपने घर से निकाल दें। वह एक स्वतन्त्रता सेनानी की पत्नी है। यह कमिश्नर का आदेश था। किन्तु ज्ञान बाबू उनके सामने झुके नहीं। उन्होंने अपने पद से त्याग-पत्र दे दिया। उनके त्याग-पत्र ने प्रधानाचार्य की आँखें खोल दीं। उन्होंने तथा कमिश्नर ने उनसे अनेक प्रश्न पूछे और सन्तुष्ट हो गए कि ज्ञान बाबू का स्वतन्त्रता आन्दोलन से कोई सम्बन्ध नहीं है।